हिन्दी भाषा

(पेपर कोड-0231)

प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक - 75

(बी.ए., बी.एस.सी., बी.एच.एस-सी., बी.काम., तृतीय वर्ष के पुनरीक्षित एकीकृत आधार पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सामग्री का संयोजन 2000-2001 से लागू है)

।। सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान ।।

आधार पाठ्यक्रम की संरचना और अनिवार्य पाठ्य पुस्तक- हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी- का संयोजन इस तरह किया गया है कि सामान्य ज्ञान की विषय वस्तु- विकासशील देशों की समस्याओं- के माध्यम, आधार और साथ-साथ हिन्दी भाषा का ज्ञान और उसमें सम्प्रेषण कौशल अर्जित किया जा सके । इसी प्रयोजन से व्याकरण की अन्तर्वस्तु को विविध विधाओं की संकलित रचनाओं और सामान्य ज्ञान की पाठ्य सामग्री के साथ अन्तर्गुस्फित किया गया है । अध्ययन-अध्यापन के लिए पूरी पुस्तक की पाठ्य सामग्री है और अभ्यास के लिये विस्तृत प्रश्नावली है । यह प्रश्नपत्र भाषा का है अत: पाठ्य सामग्री का व्याख्यात्मक या आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित नहीं है । पाठ्यक्रम और पाठ्य सामग्री का संयोजन निम्नलिखित पाँच इकाइयों में किया जाता है । प्रत्येक इकाई दो भागों में विभक्त किया गया है ।

इकाई - 1 (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत, परशुराम की प्रतीज्ञा : रामधारी सिंह दिनकर, बहुत बड़ा सवाल : मोहन राकेश, संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल ।

(ख) कथन की शैलियाँ : रचनागत उदाहरण और प्रयोग ।

इकाई -2 (क) विकासशील देशों की समस्यायें, विकासात्मक पुनर्विचार, और प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण ।

(ख) विभिन्न संरचनाएँ ।

इकाई - 3 (क) आधुनिक तकनीकी सभ्यता, पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास ।

(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख ।

इकाई - 4 (क) जनसंख्या : भारत के संदर्भ में और गरीबी तथा बेरोजगारी ।

(ख) अनुवाद ।

इकाई - 5 (क) ऊर्जा और शक्तिमानता का अर्थशास्त्र ।

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन और विभिन्न प्रकार के निमंत्रण-पत्र ।

मूल्यांक योजना : प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा । प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा । प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे । प्रत्येक इकाई दो-दो खंड (क्रमश: 'क' और 'ख' में) विभक्त है, इसलिए प्रत्येक प्रश्न के भी दो भाग, (क्रमश: 'क' और 'ख') होंगे । 'क' अर्थात पाठ एवं सामान्य ज्ञान से संबद्ध प्रश्न के अंक 8 एवं 'ख' अर्थात भाषा एवं सम्प्रेषण कौशल से संबद्ध प्रश्न के अंक 7 होंगे । इस प्रकार पूरे प्रश्न पत्र के पूर्णांक 75 होंगे ।

PART - II

ENGLISH LANGUAGE

M.M. 75

(Paper Code-0232)

The question paper for B.A./B.Sc./B.Com./B.H.Sc. III Foundation course, English Language and General Answers shall comprise the following items :

Five question to be attempted, each carrying 3 marks.

UNIT-I Essay type answer in about 200 words. 5 essay type question to be asked three to be attempted. 15

UNIT-II Essay writing 10

UNIT-III Precis writing 10

UNIT-IV (a) Reading comprehension of an unseen passage 05

(b) Vocabulary based on text 10

UNIT-V Grammar Advanced Exercises 25

Note : Question on unit I and IV (b) shall be asked from the prescribed text. Which will comprise of popular create writing and the following items. Minimum needs housing and transport Geo-economic profile of M.P. communication Educate and culture. Women and Worm in Empowerment Development, management of change, physical quality of life. War and human survival, the question of human social value survival, the question of human social value, new Economic Philosophy Recent Diberaliation Method) Demoration docontralisation (with reference to 73, 74 constitutional Amendment.

Books Prescribed :

Aspects of English Language And Development - Published by M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal.

- - - - - - - -

राजनीति विज्ञान

प्रश्न पत्र - प्रथम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

पूर्णांक - 75

(पेपर कोड-0244)

इकाई-1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के उपागम ।

इकाई-2 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धांत - शक्ति, परिभाषा, तत्व ।

शक्ति संघर्ष, शक्ति संचय, शक्ति वृद्धि, शक्ति प्रदर्शन ।

इकाई-3 शक्ति सन्तुलन की अवधारणा - सैद्धांतिक लाभ एवं मूल्यांकन ।

शांति एवं सुरक्षा की अवधारणा - सामूहिक सुरक्षा का सिद्धांत ।

इकाई-4 राजनय परिभाषा, प्रकार, कार्य, उद्देश्य एवं साधन नि:शस्त्रीकरण - अर्थ, परिभाषा एवं विकास, नि:शस्त्रीयकरण के मार्ग की बाधाएं एवं निराकरण ।

इकाई-5 अंतराष्ट्रीय राजनीति के नए प्रतिमान :

1. पर्यावरणवाद,
2. वैश्वीकरण,
3. मानव अधिकार ।

संदर्भ ग्रन्थ -

1. महेन्द्र कुमार - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धांतिक पत्र
2. विजय कुमार अरोरा - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
3. दीनानाथ वर्मा - अन्त: संबंध - ज्ञानदा प्रकाशन, दिल्ली
4. मथुरालाल शर्मा - अन्त: संबंध - 1945 से, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
5. डी.सी. चतुर्वेदी - अन्त: संबंध 1945 से वर्तमान तक, रस्तौगी प्रकाशन, मेरठ
6. रमेश भारद्वाज - नवीन विश्व व्यवहार और भारती विदेश नीति
7. पंत एवं जैन - अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
8. बी.के. खन्ना एवं अरोरा - भारतीय विदेशनीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली
9. Palmar and Prkins - International Relations.
10. R. Aron - Peace & war - A theory of International Relations, London.
11. Organski - World Politics
12. C.P. Schliccher - International Relations, Co-operation and Competition.
13. J. Frankel - The making of Foreign policy, london, 1963.
14. H.J. Morgenthau - Politics Among Nations, 6th adition, New York, 1985.
15. K.N. Waltz - Theory of International Politics, Addison - Wesley, 1979.

प्रश्न पत्र - द्वितीय

लोक प्रशासन

पूर्णांक - 75

(पेपर कोड-0245)

इकाई-1 लोकप्रशासन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

एक अनुशासन के रूप में लोक प्रशासन का मल्यांकन लोक प्रशासन एवं व्यक्तिगत प्रशासन में समानाताएं एवं व्यक्तिगत प्रशासन में समानताएँ एवं असमानताएँ ।

इकाई-2 लोक प्रशासन के अध्ययन की पद्धति एवं उपागम,

नवीन लोक प्रशासन ।

इकाई-3 राजनीति एवं लोकप्रशासन

प्रशासनिक व्यवहार - नेतृत्व, निर्णय, निर्माण संचार, जवाबदेही ।

इकाई-4 नौकरशाही एवं बजट प्रक्रिया

वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के युग में लोक प्रशासन के नये आयाम ।

इकाई-5 प्रशासन पर विधायी नियंत्रण,

प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण ।

संदर्भ ग्रन्थ -

1. सी.पी. भाम्भरी - लोक प्रशासन की सिद्धांत
2. पी.डी. शर्मा - भारत में लोक प्रशासन
3. खान एवं वर्मा - प्रशासनिक विचारधाराएँ, भाग 1, 2
4. इन्द्रीजीत कौर - लोक प्रशासन, साहित्यभवन, आगरा
5. जे.पी. शर्मा - लोक प्रशासन, रायपुर
6. आर. बसु - लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
7. बी.एल. फातिया - लोक प्रशासन - साहित्य भवन, आगरा
8. निशा वशिष्ठ - भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
9. सी.एन. चतुर्वेदी - तुलनात्मक लोक प्रशासन, जयपुर (कॉलेज बुक डिपो)
10. Pfittner J.M. - Public Administration.
11. White L.D. - Introdution to the Principles of Public Administration.
12. Bhambhari C.P. - Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
13. Bhattacharya M. - Public Administration.
14. Maheshwari S.R. - Indian Administration system.
15. Awasthi & Maheshwari - Public Administration.

- - - - - - - -

इतिहास

प्रश्न -पत्र प्रथम

भारत का इतिहास सन् 1761 ई. से 1950 ई. तक

M.M. 75

(पेपर कोड-0240)

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक काल में भारत के राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना है ।

इकाई-1
1. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण - युद्ध एवं कूटनीति - कर्नाटक युद्ध
2. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण - प्लासी एवं बक्सर
3. सहायक संधि एवं हड़प नीति (व्यपगत का सिद्धांत)
4. ब्रिटिश प्रशासन एवं सुधार - बेंटिंग, लिटन, रिपन, कर्जन

इकाई-2
1. वाणिज्यवाद - उद्योगों का पतन
2. वाणिज्यवाद - व्यापार का पतन
3. कृषि का ह्रास एवं कृषक आन्दोलन
4. भूराजस्व व्यवस्थाएं - स्थाई बन्दोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी

इकाई-3
1. भारतीय पुनर्जागरण - ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज,
2. रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी, अलीगढ़ आन्दोलन
3. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस
4. विभिन्न सामाजिक वर्ग - कृषक, मजदूर, मध्यम वर्ग एवं महिलाएं

इकाई-4
1. राष्ट्रवाद का उदय एवं 1857 की क्रान्ति
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस - उदारवादी, उग्रवादी
3. क्रान्तिकारी आन्दोलन
4. गांधीवादी आन्दोलन

इकाई-5
1. साम्प्रदायिकता : उदय एवं विकास
2. सुभाषचन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द सेना
3. भारत का संवैधानिक विकास : 1919 ई. - द्वैध शासन, 1935 - प्रान्तीय स्वायत्तता
4. भारत की स्वतंत्रता तथा भारतीय संविधान की विशेषताएं ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. Sarkar and Dutt - Modern India (English and Hindi Version)
2. Singh, Gurumukh Nihal - Landmarks in Indian Constitutional Development and National Movement.
3. Agrawal R.C. - Indian Constitutional Development and National Movement in India.
4. राधेशरण - भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति के मूल तत्व (आदिकाल से 1950 ई. तक) (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी का प्रकाशन)

5.	मिश्रा जे.पी.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
6.	नागौरी एस.एल. लाल	–	आधुनिक भारत का इतिहास
7.	ग्रोवर बी.एल.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
8.	दुबे सत्यनारायण	–	आधुनिक भारत का इतिहास
9.	मजूमदार दत्त राय चौधरी	–	भारत का वृहत् इतिहास
10.	जैन एम. एस.	–	आधुनिक भारत का इतिहास
11.	सिंह प्रताप	–	आदुनिक भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
12.	सिंह प्रताप	–	आधुनिक भारत (1858 – 1919)
13.	सिंह प्रताप	–	आधुनिक भारत (1919 – 1950)
14.	दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन	–	आधुनिक भारत का इतिहास
15.	दिवाकर ब्रज मोहन	–	आधनिक भारत
16.	छाबड़ा जी.एस.	–	आधुनिक भारत का इतिहास (तीन खण्डों में)
17.	नागपाल ओभ	–	भारत का राष्ट्रीय आंदोलन और...
19.	सीताराम शर्मा	–	उन्नीसवीं सदी भारतीय धार्मिक तथा सामाजिक जागरण
20.	डॉ. सीताराम जी 'श्याम'	–	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की रूपरेखा
21.	विपिन चन्द्रा	–	भारत का स्वतंत्रता संग्राम
22.	रामलखन शुल्क	–	अधुनिक भारत
23.	रमेशचन्द्र दत्त	–	ब्रिटिश बारत का आर्थिक इतिहास
24.	डॉ. अयोध्यासिंह	–	भारत का मुक्ति संग्राम
25.	डॉ. एग्नेस ठाकुर	–	आधुनिक भारत का इतिहास

प्रश्न -पत्र द्वितीय

विश्व इतिहास – सन् 1871 ई.से 1945 ई.तक

M.M. 75

(पेपर कोड-0241)

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना है । साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य का ज्ञान भी इन्हें देना है ।

इकाई-1

1. फ्रांस का तृतीय गणतंत्र
2. बिस्मार्क : सह एवं विदेश नीति
3. विलियम द्वितीय की विदेश नीति
4. अफ्रीका का विभाजन

इकाई-2

1. जापान का आधुनिकीकरण
2. रूस – जापान युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. चीन की क्रान्ति – कारण एवं परिणाम
4. डॉ. सन-यत- सेन

इकाई–3 1. पूर्वी समस्या – बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आन्दोलन
2. बाल्कन युद्ध : कारण एवं परिणाम
3. प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम
4. रूस की क्रान्ति 1917

इकाई–4 1. वर्साई की संधि
2. फासीवाद – मुसोलिनी
3. नाजीवाद – हिटलर
4. जापान का सैन्यवाद – तोजो

इकाई–5 1. राष्ट्रसंघ : स्थापना एवं विल्सन के 14 सूत्र
2. द्वितीय विश्वयुद्ध – कारण एवं परिणाम
3. संयुक्त राष्ट्र संघ – स्थापना एवं संगठन
4. संयुक्त राष्ट्र संघ – उपलब्धियां

अनुशंसित ग्रंथ :

1. Grant and Temperley – Europe in the 19th and 20th Century (also Hi-- Version)
2. Kettelby – History of the Modern Times
3. Moon – Imperialism in World Politics
4. Plamor & Parkins – International Politics
5. Parks, Hengy Bamford – The United States of America A History
6. Panikkar K.M. – Asia and Western Dominance
7. Schuman – International politics
8. Taylor, A.J.P. – Struggle for Mastery over Europe
9. Vinacke, H.M. – A History of Far East in Modern Times
10. Fay – Origins of the World War
11. Robert. Engong – Europe since waterloo
12. Manazir Ahmad – Europe ka Itihas (in Hindi)
13. Satyaketu Vidyalankar – Sudurpurva ka Itihas (in Hindi)
14. Deonath Verma – Aungla ka Itihas (in Hindi)
15. वर्मा भगवान सिंह – विश्व इतिहास की प्रमुख धारायें (1871–1956) (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ एकादमी का प्रकाशन)
16. शर्मा भथुरलाल एवं बघेला हेतसिंह एवं माथुर कौशिक इत्यादि – युरोप का इतिहास (1789–1945) : एक शोध पूर्ण अध्ययन
17. अहमद लइक – आधुनिक विश्व का इतिहास

– – – – – – – –